रजि. नं.1231/2011 Website : www.aarakshanmanch.com, Email : aarakshanmanch@gmail.com

अनुसूचित जाति–जनजाति आरक्षण मंच राजस्थान

डॉ. अम्बेडकर भवन, 13–14, झालाना डूंगरी, जयपुर (राज.)

आर्थिक सहयोग अपील

साथियों,

अनुसूचित जाति–जनजाति को सामाजिक, शैक्षणिक तथा आर्थिक स्तर पर देश में सदैव हाशिये पर रखा गया था। फलस्वरूप सभी स्तर पर हमारा विकास अवरूद्ध हो गया था। इन वर्गों को देश व समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा सभी स्तर पर विशेष संरक्षण प्रदान करने की व्यवस्था संविधान में की गई थी। इसी परीपेक्ष में शैक्षणिक, राजनैतिक तथा सरकारी सेवाओं में आरक्षण की व्यवस्था की गई थी। लेकिन स्वतंत्रता के 65 वर्षों के बाद भी इन वर्गों का किंचित विकास तथाकथित सवर्ण वर्गों के आंख की किरकिरी बन गया। फलस्वरूप समता समिति तथा जागो पार्टी जैसे संगठनों द्वारा आज सम्पूर्ण देश में राजकीय सेवाओं में हो रही पदोन्नति में आरक्षण समाप्त करने की मुहिम ही नहीं चलाई जा रही है वरन् राजकीय सेवाओं में आरक्षण को समाप्त करने का षडयंत्र भी रचा जा रहा है।

देश में आज भी हमारी स्थिति दोयम दर्जे के नागरिक की है। सामाजिक स्तर पर आज भी जातिगत भेदभाव व छूआछूत विद्यमान है। आर्थिक स्तर पर भारी विषमता है। इतना ही नहीं देश में सभी स्तर पर भारी असमानता का बोलबाला है।

इन्हीं उद्देश्यों को लेकर अनुसूचित जाति–जनजाति आरक्षण मंच राजस्थान की स्थापना दिनांक 1.1.2011 को की गई थी। इन्हीं भावना को लेकर मंच राज्य में विभिन्न उद्देश्यों को लेकर अनुसूचित जाति–जनजाति के विकास को लेकर कटिबद्ध है, यथा –

1. राजकीय सेवाओं में मुख्य आरक्षण व पदोन्नति में आरक्षण तथा अन्य राज्य कर्मचारियों के समस्त हितों का संरक्षण व संवर्द्धन।
2. अनुसूचित जाति–जनजाति की जनसंख्या के अनुपात में 17% + 13% = 30% आरक्षण की व्यवस्था करवाना तथा भावी पीढ़ी व युवाओं के लिये सभी क्षेत्रों में रोजगार की पूर्ण व्यवस्था करवाना।
3. संविधान के अनुच्छेद 312 के तहत भारतीय न्यायिक सेवाओं का गठन तथा न्यायिक सेवा में पदोन्नति में आरक्षण की व्यवस्था करवाना।
4. देश के 85 प्रतिशत संसाधनों पर 15 प्रतिशत तथाकथित सवर्ण वर्ग का कब्जा है तथा देश में 85 प्रतिशत अजा–जजा की जनसंख्या मात्र 15 प्रतिशत संसाधनों पर निर्भर है। इस आर्थिक विषमता को मिटाकर आर्थिक संसाधनों तथा निजी क्षेत्र में आरक्षण की व्यवस्था करवाना।
5. आज भी देश में दलितों के साथ भेदभव व छूआछूत जारी है तथा महिलाओं के साथ उत्पीड़न व अत्याचार हो रहे हैं। इन्हें समाप्त करने के लिये राजकीय स्तर पर ठोस प्रयास नहीं किये गये है। अतः सामाजिक व राजकीय स्तर पर सख्त कदम उठाकर सामाजिक विषमता को मिटाया जाये।
6. अजा–जजा वर्ग के उत्पीड़न में देश में राजस्थान का द्वितीय स्थान है अतः अजा, जजा वर्ग के उत्पीड़न को रोकने के लिये प्रभावशाली कदम उठाये जाये।

7. अजा–जजा को राजनैतिक आरक्षण प्राप्त है लेकिन जनतंत्र में दलीय व्यवस्था के कारण आज भी सवर्ण वर्ग का राजनीति में वर्चस्व है। व्यवस्था में परिवर्तन कर अजा–जजा वर्ग का प्रभावशाली प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाये।

साथियों अजा–जजा का शिक्षित तथा विभिन्न सेवाओं में कार्यरत वर्ग सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक क्रान्ति लाकर सामाजिक असमानता को मिटाकर इस वर्ग को समाज में सम्मान दिलवा सकता है। साथियों संगठन में ही शक्ति है।

उपरोक्त सभी उद्देश्यों की पूर्ति के लिये संगठन व अनुशासन के साथ–साथ धन की महत्ती भूमिका व आवश्यकता है। आज आरक्षण के कारण ही हम इस स्टेज पर है। हमारा समाज हमसे भी कुछ अपेक्षायें रखता है जिसके लिये हमें संघर्ष करना है। आन्दोलन लम्बा होगा तथा धन की महत्ती आवश्यकत होगी। अतः आपसे इस आन्दोलन के लिये आर्थिक सहयोग की अपील है। आप आरक्षण मंच के खाते में राशि जमा करवाकर आन्दोलन में सहयोग प्रदान कर सकते है। खाते का विवरण इस प्रकार है :–

Account Name	**:**	**ANUSUCHIT JATI, JANJATI ARAKSHAN MANCH , RAJASTHAN**
Bank Name	**:**	**SBBJ**
Branch	**:**	**Bassi, Jaipur**
Account Number	**:**	**61124759871**
Branch Code	**:**	**10039**
IFSC Code	**:**	**SBBJ0010039**
MICR Code	**:**	**302003068**

दूसरे बैंक के माध्यम से पैसा भेजना चाहे तो इस कोड का प्रयोग कर राशि मंच के खाते में जमा करा सकते है।

राशि जमा कराने के बाद आप हमें जमा कराई गई स्लीप की फोटोकॉपी पत्र के साथ संलग्न कर सूचना देवे ताकि रसीद भेजी जा सके।

आशा है कि इस कार्य में आप तन मन व धन से पूर्ण सहयोग करेगें।

ई. आशा राम मीणा	**अशोक मीणा**	**जे.पी. विमल (IAS Retd.)**
महासचिव	**कोषाध्यक्ष**	**अध्यक्ष**
9413380388	**9414047988**	**9414027400**

एवं

समस्तकार्यकारिणी